बच्चे राष्ट्रनिर्माण के असली दूत हैं : हरि नारायण

जैतहरी(संतोष गुप्ता)। हिंदुस्तान पावर परिसर स्थित बाल भारती स्कूल का वार्षिक समारोह देश की विविधापूर्ण समृद्ध संस्कृति को समर्पित रहा। मोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भरपूर इस रंगारंग कार्यक्रम में अमरकंटक जनजातीय विश्वविद्यालय के डीन डा. एन.एस हरि नारायण मूर्ति ने मुख्य अतिथि की हैसियत से भाग लिया।

रंगारंग समारोह में बच्चों ने जीवंत प्रस्तुतियों से मेहमानों का मन मोह लिया। 'संस्कृति-द ह्यू ऑफ कल्चर' नामक इस समारोह के मंच पर भारत की विविधतापूर्ण लोक संस्कृति की दिलकश छटाएं कौंधती रहीं। नन्हें-मुन्ने बच्चों की प्रस्तुति "टिबकलिंग स्टार्स" ने चंदा मामा से बच्चों के काल्पनिक संवाद की छवि उभारने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वहीं, कोंकण तट के मछुआरों की उल्लासमय जिंदगी की छवियों से लैस कोली डांस ने भी खूब मंत्रमुग्ध किया। बसंत ऋतु के आगमन की संवेदना को समेटे मलयालम डांस, नटखट कन्हैया की रोमांचक लीलाओं पर केंद्रित रासलीला, बेटी बचाओ संदेश से भरपूर सेव गर्ल चाइल्ड डांस, संतुलन और समन्वय से भरपूर स्टेप टू स्टेप रोंक्स, बांग्ला संस्कृति पर केंद्रित बंगाली डांस और बुंदेलखंड के अहीर समुदाय की जिंदगी पर केंद्रित अहीर डांस आदि ने समारोह को यादगार बना दिया।

मगध साम्राज्य के उदय में शिक्षक और महान दार्शनिक चाणक्य की भूमिका पर आधारित अंग्रेजी स्किट एन इनसल्ट दैट क्रियेटेड एन एपायर और एक मध्यवर्गीय कलाकार के संघर्ष पर केंद्रित स्किट संघर्ष को जोरदार सराहना मिली।

इस मौके पर हरि नारायण मूर्ति ने कहा, "बच्चे राष्ट्रनिर्माण के असली दूत हैं और विद्यालय इस निर्माण की नर्सरी है। मुझे खुशी है कि बाल भारती बच्चों का संपूर्ण विकास कर शिक्षा क्षेत्र में प्रेरक कार्य कर रहा है।